Sri Arvind Mahila College, Patna

Accredited by NAAC with B+ Grade

(A Constituent Unit of Patliputra University, Patna)

Organizing Department: Political Science

Sthapna Diwas Samaroh

20-09-2024

महर्षि श्रीअरविन्द घोष की प्रतिमा का अनावरण

'श्रीअरविन्द का जीवन-दर्शन व्यक्ति, समाज और राष्ट्र की मुक्ति के लिए'

- राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर, माननीय राज्यपाल

महर्षि श्रीअरविन्द घोष का जीवन हमारे लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। एक स्वतंत्रता सेनानी से लेकर एक अध्यात्मिक गुरू तक, उनका जीवन हर आयाम उत्कृष्टता का उदाहरण है। वे दर्शन और आध्यात्मिक विचारों के विश्व धरोहर हैं।

ये कहना है बिहार के माननीय राज्यपाल श्री राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर का। वे शुक्रवार को श्रीअरविन्द महला कॉलेज में महर्षि श्रीअरविन्द घोष की आवक्ष प्रतिमा के अनावरण करने के बाद समारोह को संबोधित कर रहे थे। समारोह की अध्यक्षता पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.के.सिंह ने की, जबकि संचालन हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो. शिवनारायण सिंह ने किया।

अपने संबोधन में राज्यपाल ने कहा कि महर्षि श्रीअरविन्द शिक्षा के महत्व को समझाते हुए अक्सर कहते शिक्षा का उद्देश्य केवल जानकारी प्राप्त करना नहीं बल्कि मनुष्य के संपूर्ण विकास के लिए मार्ग-दर्शन करना भी है। शिक्षा मनुष्य की आत्मा के सौंदर्य को सवंर्द्धित करना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जीवन का उद्देश्य केवल भौतिक सुख-सुविधाएँ जुटाना नहीं बल्कि आत्मा की पूर्णता की खोज करना भी है। उन्होंने कहा कि श्रीअरविन्द का दर्शन केवल मनुष्य की मुक्ति के लिए ही नहीं अपितु समाज और विश्व के समग्र विकास के लिए भी प्रासंगिक है। अपने भाषण के अंत में उन्होंने कॉलेज की प्रशंसा करते हुए कहा कि श्रीअरविन्द के जीवन-दर्शन के अनुकूल छात्राओं का मानसिक विकास किया जाना चाहिए।

राज्यपाल आर्लेकर ने इससे पूर्व कॉलेज परिसर स्थित हर्बल गार्डन का भी उद्घाटन सहित कॉलेज न्यूज बुलेटिन का लोकार्पण किया। कॉलेज न्यूज़ बुलेटिन का संपादन हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. शिवनारायण ने किया है।

अतिथियों का सम्मान प्राचार्या प्रो. साधना ठाकुर ने किया। उन्होंने कहा कि हमारे कॉलेज में महर्षि अरविन्दों के शिक्षा-दर्शन को ध्यान में रखते हुए छात्राओं को शिक्षा दी जाती है। उन्होंने कॉलेज में हुए कॉलेज के विकास कार्यों का ब्यौरा देते हुए परिसर में श्रीअरविन्द योग केन्द्र की स्थापना की मांग की।

विशिष्ट अतिथि के रूप में राज्य सूचना आयुक्त ब्रजेश मेहरोत्रा ने कहा कि आज की शिक्षा से दर्शन और अध्यात्म के तत्वों का लोप होता जा रहा है, इसलिए श्रीअरविन्दो का शिक्षा-दर्शन फिर से हमें मूल्यों की ओर लौटने का संदेश देगा। इसी से एक नए समाज के निर्माण में हमें मदद मिलेगी।

पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.आर.के.सिंह ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि प्रत्येक दार्शनिक अंततः एक शिक्षाविद और समाज का पथ प्रदर्शक होता है। महर्षि श्रीअरविन्द का मानना था कि सूचनात्मक ज्ञान कुशाग्र बुद्धि का आधार नहीं हो सकता। उनके अनुसार शिक्षा पद्धति ऐसी होनी चाहिए जो छात्र के ज्ञान क्षेत्र का विस्तार करे। उनकी स्मृति,निर्णय-शक्ति एवं रचनात्मक क्षमता का विकास करे तथा जिसका माध्यम उसकी मातृभाषा हो। आज भौतिकता की जिस अंधी दौड़ में सभी भाग रहे हैं, श्रीअरविन्द का दर्शन ही उससे बचाते हुए सही मार्ग दर्शन करता है।

समारोह के अंत में सेवानिवृत शिक्षकों के सम्मान सहित साठ छात्राओं को प्रो. उषा सिंह मेमोरियल स्कॉलरशिप प्रदान किया गया। इस असवर पर शिक्षकेतर कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया।

समारोह में प्रति कुलपति डॉ. गणेश महतो, कुलसचिव डॉ. एन.के. झा सहित बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय और विभिन्न कॉलेजों के प्राचार्य मौजूद थे। कॉलेज के सभी अध्यापक कर्मचारी मौजूद थे, जिनमें डॉ. राजीव शंकर सिन्हा, डॉ. बलिराजी मौर्या, डॉ. आर.सी.पी.सिंह, डॉ. गीता कुमारी, डॉ. गोपाल कुमार, डॉ. नोरा निवेदिता, डॉ. मिन्नी सिन्हा, डॉ. प्रिया कुमारी आदि प्रमुख थे। अंत में धन्यावाद ज्ञापन इतिहास की विभागाध्यक्ष प्रो. अंजली प्रसाद ने किया। राष्ट्रगान के साथ ही समारोह का समापन हुआ

20 को श्रीअरविंद महिला कॉलेज का स्थापना दिवस कार्यक्रम

महर्षि अरविंदो की मूर्ति का अनावरण करेंगे राज्यपाल

संवाददाता,पटना

इस साल 15 अगस्त को श्रीअरविंद महिला कॉलेज की स्थापना हुए 64 साल पूरे हो चुके हैं. ऐसे में कॉलेज की ओर से 20 सितंबर को स्थापना दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है. इस अवसर पर महर्षि अरविंदो की मूर्ति का अनावरण बिहार के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर करेंगे. अतिथि के तौर पर राज्य सूचना आयुक्त बिहार सरकार के ब्रजेश मेहरोत्रा, पीपीयू के वीसी प्रो आरके सिंह समेत अन्य मौजूद रहेंगे. मूर्ति अनावरण के बाद कॉलेज में बने हर्बल पार्क का भी उद्घाटन किया जायेगा. साथ ही पौधारोपण भी होगा. एक घंटे के कार्यक्रम के दौरान छात्राएं सांस्कृतिक प्रस्तुति करेंगी. वहीं 50 छात्राओं को उषा मेमोरियल स्कॉलरशिप प्रदान की जायेगी. कार्यक्रम समाप्त होने के बाद कॉलेज के रिटायर्ड टीचर्स को कॉलेज की ओर से सम्मानित किया जायेगा. कॉलेज की प्राचार्या प्रो साधना ठाकुर ने बताया कि मूर्ति का अनावरण अभी किया जा रहा है, क्योंकि 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है. यह कॉलेज के लिए गर्व की बात थी, तो हमने राज्यपाल से समय लिया और 20 को इसका अनावरण किया जायेगा.

महर्षि अरविंद के नाम पर कॉलेज का रखा गया नाम : कॉलेज की स्थापना 15 अगस्त 1960 को महान दार्शनिक और कवि महर्षि अरविंदो के नाम पर हुई. उस वक्त यह सपना देखा गया था कि महर्षि अरविंदो के जीवन-मूल्यों और आदर्शों के अनुरूप ही बिहार की राजधानी पटना की छात्राओं को शिक्षा प्रदान की जायेगी. अरविंद इंस्टीट्यूट गर्ल्स कॉलेज के नाम से 15 अगस्त 1960 में जगतनारायण रोड, कदमकुआं में एक किराये के मकान में की थी. केवल 15 छात्राओं से इसकी शुरुआत हुई. आज 15 छात्राओं से शुरू हुए इस कॉलेज में पांच हजार छात्राएं पढ़ रही हैं.

ऐसे समाज का हो निर्माण, जहां मिले प्रेरणा

जागरण संवाददाता, पटना : आज का अवसर सिर्फ एक प्रतिमा के अनावरण का नहीं है, बल्कि यह हमारे महान स्वतंत्रता सेनानी, विचारक और समाज सुधारक अरविन्द घोष की विरासत का सम्मान करने का है। वे दर्शन एवं आध्यात्मिक विचारों की विश्व धरोहर हैं। ये बातें बिहार के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने कहीं। वे शुक्रवार को श्री अरविंद महिला कालेज में महर्षि अरविन्द घोष की प्रतिमा का अनावरण करने के बाद समारोह को संबोधित कर रहे थे।

समारोह में दीप प्रज्ज्वलित करते राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर, सूचना आयुक्त ब्रजेश मेहरोत्रा, पटना विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आरके सिंह व अन्य। ● जागरण

उन्होंने कहा, औपनिवेशिक शिक्षा प्रणाली का उद्देश्य ब्रिटिश प्रशासन में सहयोगियों का एक वर्ग तैयार करना था। इसने पश्चिमी ज्ञान को प्राथमिकता दी और स्थानीय परंपराओं की उपेक्षा की। अरबिंदो घोष ने इस असंतुलन के विरुद्ध भारतीय संस्कृति के महत्व पर प्रकाश डाला। हमें उनकी शिक्षाओं को अपनाकर एक ऐसे समाज का निर्माण करना चाहिए जहां शिक्षा न केवल व्यक्ति को ज्ञान दे बल्कि उसे अपने बुद्धिमत्ता को समझने की प्रेरणा भी दे। राज्यपाल अर्लेकर ने कालेज परिसर में हर्बल गार्डन और समाचार बुलेटिन का उद्घाटन किया। प्राचार्य प्रो साधना ठाकुर ने कहा कि कालेज में छात्राओं को महर्षि अरविंद की शिक्षा दर्शन के अनुरूप शिक्षा दी जाती है। विशिष्ट अतिथि राज्य सूचना आयुक्त ब्रजेश मेहरोत्रा ने मूल्यों की ओर लौटने का संदेश दिया और अरबिंदो के शैक्षिक दर्शन को नए समाज के निर्माण में सहायक बताया। पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.के सिंह ने कहा कि प्रत्येक दार्शनिक एक शिक्षाविद् व समाज का मार्गदर्शक होता है। अरविन्द घोष के अनुसार शिक्षा प्रणाली से विद्यार्थी के ज्ञान, स्मृति, निर्णय लेने की शक्ति और रचनात्मकता का विकास होना चाहिए। समारोह में सेवानिवृत्त शिक्षकों के सम्मान के साथ साठ छात्राओं को प्रो. उषा सिंह मेमोरियल स्कालरशिप प्रदान की गई। शिक्षकेतर कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया। मौके पर कुलपति डा. गणेश महतो, रजिस्ट्रार डा. एन.के झा और विभिन्न विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों के कई प्राचार्य उपस्थित रहे।